HINDUSTAN PAGE 7

सीएसआर, निजी भागीदारी से खोजेंगे विकास का तरीका

एलयू

- 14 व 15 फरवरी को राष्ट्रीय सेमिनार होगा
- कॉर्पोरेट लीडर, पेशेवर, उद्यमी रखेंगे अपनी राय

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग की ओर से 14 व 15 फरवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। जिसमें देश व दुनिया के बड़े उद्यमी, नीति निर्माता, सीएसआर पेशेवर, कॉर्पोरेट लीडर, अंतरराष्ट्रीय संगठन, सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन के प्रतिनिधि, सामाजिक नवप्रवर्तक, शिक्षाविद और शोधकर्ता शामिल होंगे।

सभी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी और निजी भागीदारी के जरिए भारत को वर्ष 2047 तक विकसित बनाने का तरीका खोजेंगे। जिसके ब्रोशर कारपोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी और सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स फॉर विजन विकसित भारत @ 2047 का अनावरण बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया।

घर या कारोबार, सम्मान का अधिकार

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में मिशन शक्ति पंचम चरण के तहत विधि संकाय में महिला कर्मचारियों और महिला सुरक्षा कार्मियों के लिए विधिक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि मिशन शक्ति की नोडल अफसर डॉ. मानिनी श्रीवास्तव रहीं। उन्होंने आम बोलचाल की भाषा अवधी, हिन्दी, भोजपुरी और मगधी में महिलाओं को उनके अधिकार के बारे में बताया।

डॉ. मानिनी ने सम्मान हमारा अधिकार, घर हो, दफ्तर या कारोबार का नारा दिया। साथ ही कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम 2013 और घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 के बारे में भी जानकारी और प्रशिक्षण दिया गया।

एलयू में मिशन शक्ति पंचम चरण के तहत दोनों परिसरों में कार्यक्रम हुए।

महिलाओं की चुनौतियां दिखाईं: इस अवसर पर एलयू के एपी सेन सभागार में मिशन शक्ति पंचम चरण में महिला और समाज से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा व लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया।

एलयू ने छह पेटेंट के लिए आवेदन किया

लखनऊ। एलयू ने विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में कदम बढ़ाते हुए बुधवार को छह पेटेंट के लिए आवेदन किया है। इनमें से दो पेटेंट प्राणि विज्ञान विभाग और चार पेटेंट भौतिक विज्ञान विभाग ने दाखिल किए हैं। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने पेटेंट के बारे में जानकारी दी वहीं कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह शोधकर्ताओं की मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लखनऊ विश्वविद्यालय के दो विभागों ने छह पेटेंट के लिए किया आवेदन

लखनऊ। शोध और नवाचार की दिशा में लखनऊ विश्वविद्यालय अपनी पहचान बना रहा है। विवि के दो विभागों से छह अनुसंधान को पेटेंट देने के लिए आवेदन किया है। इनमें से दो प्राणि विज्ञान और चार भौतिक विज्ञान विभाग के हैं।

दो प्राणि विज्ञान और चार भौतिक विज्ञान विभाग के हैं अनुसंधान

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि भौतिक विज्ञान विभाग ने सूक्ष्म कणों का संश्लेषण और इसके माध्यम से पानी में मौजूद अशुद्धियों को नष्ट करने की विधि, भारी धातुओं का पता लगाने के लिए मशीन लर्निंग आधारित प्रणाली, नैनो कणों से बने पपेर सेंसर के साथ खाद्य संरक्षक का पता लगाने वाली किट के पेटेंट के लिए आवेदन किया है।

प्राणि विज्ञान के आवेदनों में फेफड़ों के एडेनोकार्सिनोमा के इलाज के लिए दवाओं का मिश्रण तैयार करने और ऑस्टियोपोरोसिस के प्रबंधन के लिए विशेष फॉर्मूला शामिल है। (संवाद)

राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर का विमोचन

लखनऊ। विकसित भारत की संकल्पना पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 14 व 15 फरवरी को लखनऊ विश्वविद्यालय में होगा। अर्थशास्त्र विभाग के इस कार्यक्रम के पोस्टर और वेबसाइट का विमोचन बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजक डॉ. हरनाम सिंह होंगे। (संवाद)

छात्रों को समझाया मानवीय मूल्यों का सार

लखनऊ। लविवि के प्रबंधन विज्ञान संस्थान ने साहित्यिक ग्रंथों के माध्यम से नेतृत्व पाठ विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। मुख्य वक्ता अंग्रेजी और आधुनिक यूरेपीय भाषा विभाग की प्रो. निशि पांडेय ने विचार रखे। उन्होंने कहानी कहने के साथ साहित्य के मूल्य, मानवीय मूल्यों के बारे में बताया। देवदास, रतन टाटा, मुद्राराक्षस के चरित्रों पर चर्चा की। मौके पर प्रो. विनीता कोचर, डॉ. रुचि आदि थे। (संवाद)

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि ने पेपर सेंसर के पेटेंट के लिए किया आवेदन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में एक बार फिर लखनऊ विश्वविद्यालय ने फिर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय की ओर से बुधवार को छह पेटेंट के लिए आवेदन किया गया है। ये पेटेंट विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उन्नत तकनीकों और खोजों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम है। इनमें से दो पेटेंट प्राणि विज्ञान विभाग और चार पेटेंट भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा दाखिल किए गए हैं।

भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा दिये गये इन आवेदनों में प्रमुख तौर पर सूक्ष्म कणों का संश्लेषण और इसके माध्यम से पानी में मौजूद अशुद्धियों को नष्ट करने की विधि, भारी धातुओं का पता लगाने के लिए मशीन लर्निंग आधारित प्रणाली एवं नैनोकणों से बने पपेर सेंसर, एवं खाद्य संरक्षक का पता लगाने वाले किट जैसी नवीन तकनीकों को पेटेंट के लिए प्रस्तुत किया गया है। इसके अलावा प्राणि विज्ञान की ओर दाखिल आवेदनों में फेफड़ों के एडेनोकार्सिनोमा के उपचार के लिए दवाओं का मिश्रण तैयार करने और ऑस्टियोपोरोसिस के प्रबंधन के लिए एक विशेष फॉर्मूला शामिल हैं। इन पेटेंट आवेदनों से पर्यावरण, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में कई नई संभावनाएं पैदा होंगी। यह लखनऊ विश्वविद्यालय की उस पहल के तहत हैं, जहां विश्वविद्यालय अपने शिक्षकों एवं छात्रों के पेटेंट वाले शोधों को बढ़ावा देता है और उसके सम्पूर्ण प्रसंस्करण, जिसमें दस्तावेजी एवं वित्तीय मदद भी शामिल है उनको प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह शोधकताओं की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने इसे संस्थान की वैज्ञानिक क्षमता को नई ऊंचाई पर ले जाने वाला कदम बताया। इस तरह के पेटेंट आवेदन न केवल लखनऊ विश्वविद्यालय के शोध कार्यों की बढ़ती गुणवत्ता को दर्शाते हैं, बल्कि इसे देश के एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित भी करते हैं। यह विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को प्रकट करता है और भारतीय शिक्षा क्षेत्र में इसके योगदान को महत्वपूर्ण बनाता है।

विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए कर्तव्यों का करें निर्वहन: प्रो आलोक राय

- दो दिवसीय नेशनल सेमिनार के ब्राउसर का हुआ लोकार्पण

लखनऊ। विकसित भारत@2047 दृष्टिकोण का उद्देश्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में रूपांतरित करना है। इसके लिए सतत आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन जैसे विषयों पर तिव्रगति से समुचित कार्यवाही की आवश्यकता है। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह बातें लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित होने वाली दो दिवसीय नेशनल सेमिनार कारपोरेट सोशल रेस्पोंसबिलिटी और सस्टेनैबल डेवलपमेंट गोल्स फार विजन विकसित भारत @ 2047 का ब्राउसर लोकार्पण करते समय लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बुधवार को कहीं। साथ ही इस सेमिनार की वेबसाइट भी लांच की गयी। उन्होंने कहा कि देश विकसित राष्ट्र होने को अग्रसर है। देश की आकांक्षाएं अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक एक विकसित, समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था बनने पर केंद्रित हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

पेटेंट के लिए किया आवेदन

जासं • लखनऊ : लविवि के भौतिक एवं जंतु विज्ञान विभाग की ओर से छह पेटेंट के लिए बुधवार को आवेदन कर दिया गया। ये पेटेंट विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उन्नत तकनीकों और खोजों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम है। इनमें से दो पेटेंट जंतु विज्ञान विभाग और चार पेटेंट भौतिक विज्ञान विभाग ने दाखिल किए हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह शोधकर्ताओं की मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से किए गए आवेदनों में प्रमुख तौर पर सूक्ष्म कणों का संश्लेषण, इसके माध्यम से पानी में मौजूद अशुद्धियों को नष्ट करने की विधि, भारी धातुओं का पता लगाने के लिए मशीन लर्निंग आधारित प्रणाली एवं नैनो कणों से बने पेपर सेंसर व खाद्य संरक्षक का पता लगाने वाले किट जैसी नवीन तकनीकों को पेटेंट के लिए प्रस्तुत किया गया है।

लघु फिल्मों का प्रदर्शन

लखनऊ : लविवि के एपी सेन हाल में बुधवार को मिशन शक्ति फेज पांच के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम हुआ। इसमें महिला और समाज से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा के साथ लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। इसमें महिलाओं की चुनौतियों और सशक्तीकरण की प्रेरक कहानियों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की संयोजिका मिशन शक्ति फेज-पांच की नोडल अधिकारी डा. मानिनी श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। (जासं)

i-NEXT PAGE 3

सामाजिक समस्याओं पर फिल्मों का प्रदर्शन

एलयू के एपी सेन हाल में बुधवार को मिशन शक्ति फेज पांच के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम हुआ. इसमें महिला और समाज से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा के साथ लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया. इसमें महिलाओं की चुनौतियों और सशक्तिकरण की प्रेरक कहानियों को प्रस्तुत किया. इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका मिशन शक्ति फेज-पांच की नोडल अधिकारी डा. मानिनी श्रीवास्तव सहित संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी मौजूद रहे.

नेतृत्व पाठ विषय पर व्याख्यान आयोजित

एलयू के प्रबंधन विज्ञान संस्थान में बुधवार को साहित्यिक ग्रंथों के माध्यम से नेतृत्व पाठ विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया. मुख्य अतिथि के रूप मे अंग्रेजी विभाग की पूर्व प्रमुख प्रो. निशी पांडेय ने कहानी कहने के साथ साहित्य व मानवीय मूल्यों के बारे में बताया. साथ ही देवदास, रतन टाटा, मुद्राराक्षस जैसे विभिन्न ऐतिहासिक चरित्रों एवं पात्रों से सीखने व जीवन में इसका पालन करने पर चर्चा की. इस दौरान संस्थान की ओएसडी प्रो. विनीता कावर, डा. रुचि मौजूद रही.

AMRIT VICHAR PAGE 4

विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में कॉर्पोरेट का उत्तरदायित्व अहम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय में सेमिनार का आयोजन

अमृत विचार: विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए तीव्र आर्थिक विकास के साथ कारपोरेट की भूमिका पर लखनऊ विश्वविद्यालय में सेमीनार का आयोजन किया गया। इसमें कहा गया कि सतत आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन के लिए सही दिशा में तेजी से कार्य आवश्यक हैं। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अर्थशास्त्र विभाग ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कारपोरेट सोशल रेस्पोंसबिलिटी और सस्टेनैबल डेवलपमेंट गोल्स फार विजन विकसित भारत 2047 विषय के ब्रोसर का लोकार्पण कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। उन्होंने कहा कि देश विकसित राष्ट्र होने को अग्रसर है। देश की आकांक्षाएं स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक एक विकसित, समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था बनने पर केंद्रित हैं। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व प्रमुख विकासात्मक चुनौतियों का समाधान करने की दिशा में कॉर्पोरेट संसाधनों, नवाचार और विशेषज्ञता को प्रसारित करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विकसित भारत के ब्रोसर का विमोचन करते कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय।

14 और 15 फरवरी को होगा अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

सेमिनार की संयोजक डॉ. शची राय ने बताया कि 14-15 फरवरी को विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन होगा। इसमें विभिन्न भागों के कॉर्पोरेट लीडर, सीएसआर पेशेवर, नीति निर्माता, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, सरकारी व गैर-सरकारी संगठन के प्रतिनिधि, उद्यमी, सामाजिक नवप्रवर्तक, शिक्षाविद और शोधकर्ता शामिल होंगे।

ARYA PRAWAH PAGE 2

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन राशि 2025 के पोस्टर और वेबसाइट का कुलपति ने किया लोकार्पण

आर्य प्रवाह

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज़ विभाग द्वारा आगामी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन राशि 2025 इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रीसेंट एडवांसस इन एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमनिटीज इन एवोलुशन ऑफ़ इंजीनियरिंग के पोस्टर और वेबसाइट का लोकार्पण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने किया। यह बहुप्रतीक्षित सम्मेलन 7-8 फरवरी 2025 को आयोजित होगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में हो रहे हालिया विकास और नवाचारों पर चर्चा करना है। इसके तहत शैक्षिक और उद्योग विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया जाएगा, ताकि समकालीन चुनौतियों के समाधान के साथ-साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए रास्ते खोले जा सकें।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों के लिए ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। इसके माध्यम से युवा वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी और यह भविष्य में नवाचारों और शोध कार्यों की दिशा तय करने में सहायक होगा।

लोकार्पण समारोह के दौरान अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. ए.के. सिंह, शिक्षक डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. हिमांशु पांडेय, डॉ. सव्य सांची, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. खुशबू वर्मा, डॉ. रचना पाठक, डॉ. जीशान अली, निधि सिंह, वाजिद अली और स्टूडेंट कॉर्डिनेटर आदित्य व शक्ति समेत अन्य उपस्थित रहे।

PIONEER PAGE 3

विकसित भारत की संकल्पना के लिए कर्तव्यों का करें निर्वहन: प्रो. आलोक राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

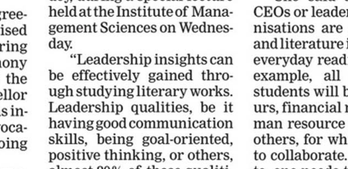

विकसित भारत 2047 दृष्टिकोण का उद्देश्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में रूपांतरित करना है। इसके लिए सतत आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन जैसे विषयों पर तीव्र गति से समुचित कार्यवाही की आवश्यकता है। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उक्त बातें अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित होने वाली दो दिवसीय नेशनल सेमिनार कारपोरेट सोशल रेस्पोंसबिलिटी और सस्टेनैबल डेवलपमेंट गोल्स फार विजन विकसित भारत 2047 का ब्राउसर का लोकार्पण करते समय लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि देश विकसित राष्ट्र होने को अग्रसर है। देश की आकांक्षाएं अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक एक विकसित, समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था बनने पर केंद्रित हैं। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सीएसआर और एसडीजी भारत को दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों की ओर अग्रसर कर रहें है।

इस अवसर पर नेशनल सेमिनार की संयोजिका डॉ शची राय ने कहा कि यह आयोजन आगामी 14-15 फरवरी को लखनऊ विश्वविद्यालय में होगा। जिसमें देश के विभिन्न भागों के कॉर्पोरेट लीडर, सीएसआर पेशेवर, नीति निर्माता, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन के प्रतिनिधि, उद्यमी, सामाजिक नवप्रवर्तक, शिक्षाविद और शोधकर्ता सम्मलित होकर विकसित भारत के लिए अपने शोधपत्र एवं सिफारिशें प्रस्तुत करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन राशि 2025 के पोस्टर और वेबसाइट का कुलपति ने किया लोकार्पण

लखनऊ विश्वविद्यालय के एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज विभाग द्वारा आगामी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन राशि 2025 (इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रीसेंट एडवांसस इन एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमनिटीज इन एवोलुशन ऑफ़ इंजीनियरिंग) के पोस्टर और वेबसाइट का लोकार्पण बुधवार को विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने किया। यह बहुप्रतीक्षित सम्मेलन 7-8 फरवरी 2025 को आयोजित होगा। सम्मेलन का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में हो रहे हालिया विकास और नवाचारों पर चर्चा करना है। इसके तहत शैक्षिक और उद्योग विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया जाएगा, ताकि समकालीन चुनौतियों के समाधान के साथ-साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए रास्ते खोले जा सकें।

विज्ञान से जुड़े छह पेटेंट के लिए लविवि ने किया दावा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में एक बार फिर लखनऊ विश्वविद्यालय ने फिर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय की ओर से बुधवार को 6 पेटेंट के लिए आवेदन किया गया है।

दो पेटेंट प्राणि विज्ञान विभाग और चार पेटेंट भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा दाखिल किए गए हैं। भौतिक विज्ञान में सूक्ष्म कणों का संश्लेषण और इसके माध्यम से पानी में मौजूद अशुद्धियों को नष्ट करने की विधि, भारी धातुओं का पता लगाने के लिए मशीन लर्निंग आधारित प्रणाली व नैनोकणों से बने पपेर सेंसर और खाद्य संरक्षक का पता लगाने वाले किट जैसी नवीन तकनीकों को पेटेंट के लिए प्रस्तुत किया गया है।

प्राणि विज्ञान की ओर दाखिल आवेदनों में फेफड़ों के एडेनोकार्सिनोमा के उपचार के लिए दवाओं का मिश्रण तैयार करने और ऑस्टियोपोरोसिस के प्रबंधन के लिए एक विशेष फॉर्मूला शामिल हैं। इन पेटेंट आवेदनों से पर्यावरण, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में कई नई संभावनाएं पैदा होंगी। कुलपति प्रो अलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह शोधकर्ताओं की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने इसे संस्थान की वैज्ञानिक क्षमता को नई ऊंचाई पर ले जाने वाला कदम बताया।

शिक्षा से संस्कृति का सेतु जोड़ेंगे लविवि के शिक्षक

ताजिकिस्तान के दूतावास ने शिक्षकों को किया आमंत्रित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: पूर्व सोवियत संघ का सदस्य देश ताजिकिस्तान कभी भारत का सिल्क रूट हुआ करता था। भारत के लिए सामरिक और रणनीतिक रूप से बेहद अहम ताजिकिस्तान चीन के भारी-भरकम निवेश से लेकर नाटो की मौजूदगी के कारण चर्चा में रहता है। वहां के दूतावास ने लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों को अपने देश में आमंत्रित किया है। शिक्षकों का एक शिष्टमंडल अगले महीने ताजिकिस्तान का दौरा करेगा। इस दौरे का उद्देश्य ताजिक उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ स्थायी द्विपक्षीय शैक्षिक और सांस्कृतिक सहयोग की संभावनाओं का पता लगाना है।

ताजिकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पत्र लिखकर विश्वविद्यालय के साथ शैक्षिक सहयोग के प्रस्ताव को सहमति दी है। इस पहल का उद्देश्य दोनों देशों के शैक्षिक संस्थानों के बीच संबंधों को मजबूत करने के साथ विकास व स्थिरता को बढ़ावा देना है। ताजिकिस्तान ने लखनऊ विश्वविद्यालय से कि प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की सूची मांगी है। उल्लेखनीय है कि ताजिकिस्तान भारत के लिए सामरिक और व्यावसायिक दृष्टी से बेहद अहम है। कभी यह रेशम का रास्ता या सिल्क रूट कहा जाता था। बाद के दिनों में सोवियत रूस के टूटने के बाद यहां पर चीन ने भारी निवेश किया है, तो नाटो का हस्तक्षेप भी बढ़ गया है।

ताजिकिस्तान में खनिजों का भंडार

ताजिकिस्तान की भौगोलिक सीमा उज्बेकिस्तान, किर्गिज़स्तान, दक्षिण में अफ़ग़ानिस्तान और पूर्व में चीन से मिलती है। ताजिकिस्तान की पहचान पनबिजली ऊर्जा क्षमता से भी है। इस देश के पास सबसे बड़ा प्राकृतिक जल संसाधन है। यह विश्व का चौथा सबसे बड़ा हाइड्रो इलेक्ट्रिसिटी उत्पादक देश है जो मध्य एशिया के सभी जल संसाधन का 60 फीसदी है। यहां पर कीमती पत्थर, एल्यूमीनियम, सोने-चांदी, पारा, भूरा कोयला, सीसा, कार्बोनेट, फ्लोराइट जस्ता, सुरमा और टंगस्टन आदि के बड़े भंडार हैं।

> लखनऊ विश्वविद्यालय इस अंतरराष्ट्रीय सहयोग को शैक्षिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बनाना चाहता है।
>
> **-प्रो. आलोक कुमार राय**, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय,

> भारत और ताजिकिस्तान दोनों देशों के बीच शिक्षा के साथ सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए लवि कार्य करेगा। शिक्षा संस्कृति का अभिन्न अंग है। जो भी विदेशी छात्र पढ़ते हैं उनका विश्वविद्यालय, शिक्षक और भारत से लगाव स्वाभाविक रूप से होता है और जो जीवन भर बना रहता है।
>
> **-प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव**, प्रवक्ता, लखनऊ विश्वविद्यालय

लविवि ने छह पेटेंट के लिए आवेदन किया

आर्य प्रवाह

लखनऊ। विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में एक बार फिर लखनऊ विश्वविद्यालय ने फिर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय की ओर से बुधवार को छह पेटेंट के लिए आवेदन किया गया है। ये पेटेंट विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में ऊत्त तकनीकों और खोजों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम है। इनमें से दो पेटेंट प्राणि विज्ञान विभाग और चार पेटेंट भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा दाखिल किए गए हैं। भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा दिये गये इन आवेदनों में प्रमुख तौर पर सूक्ष्म कणों का संश्लेषण और इसके माध्यम से पानी में मौजूद अशुद्धियों को नष्ट करने की विधि, भारी धातुओं का पता लगाने के लिए मशीन लर्निंग आधारित प्रणाली एवं नैनोकणों से बने पपेर सेंसर, एवं खाद्य संरक्षक का पता लगाने वाले किट जैसी नवीन तकनीकों को पेटेंट के लिए प्रस्तुत किया गया है। इसके अलावा प्राणि विज्ञान की ओर दाखिल आवेदनों में फेफड़ों के एडेनोकार्सिनोमा के उपचार के लिए दवाओं का मिश्रण तैयार करने और ऑस्टियोपोरोसिस के प्रबंधन के लिए एक विशेष फॉर्मूला शामिल हैं।इन पेटेंट आवेदनों से पर्यावरण, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में कई नई संभावनाएं पैदा होंगी। यह छः पेटेंट, लखनऊ विश्वविद्यालय की उस पहल के तहत हैं जहाँ विश्वविद्यालय अपने शिक्षकों एवं छात्रों के पेटेंट वाले शोधों को बढ़ावा देता है और उसके सम्पूर्ण प्रसंस्करण, जिसमें दस्तावेजी एवं वित्तीय मदद भी शामिल है उनको प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. अलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह शोधकर्ताओं की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने इसे संस्थान की वैज्ञानिक क्षमता को नई ऊंचाई पर ले जाने वाला कदम बताया। इस तरह के पेटेंट आवेदन न केवल लखनऊ विश्वविद्यालय के शोध कार्यों की बढ़ती गुणवत्ता को दर्शाते हैं, बल्कि इसे देश के एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित भी करते हैं। यह विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को प्रकट करता है और भारतीय शिक्षा क्षेत्र में इसके योगदान को महत्वपूर्ण बनाता है।

TOI PAGE 2

LU to award degrees to NDA cadets, offer lateral entry too

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Not only Jawaharlal Nehru University (JNU) and Delhi University, but if all goes well Lucknow University will also award undergraduate degrees to the National Defence Academy (NDA) cadets at Khadakwasla in Pune.

In addition, LU's academic experts will support the NDA in preparing the curriculum in accordance with the National Education Policy (NEP). LU will also offer lateral entry opportunities in a degree course to cadets who left the training midway due to medical, personal or other reasons.

An in-principle agreement was recently finalised between LU and NDA during the convocation ceremony of the 147th course at the NDA. LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai was invited to deliver the convocation address to the outgoing cadets.

"Currently, the NDA awards degrees from Jawaharlal Nehru University (JNU) in New Delhi and the University of Delhi. The academy is signing a Memorandum of Understanding with different universities for knowledge-sharing and the welfare of cadets. An in-principle agreement has been made in which cadets will be awarded LU degrees too," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

He also said that they will be supporting the academy in preparing the curriculum framework as per NEP. The NDA offers BA, BSc, BCom and BTech to its cadets and is planning to integrate all these courses into one and offer only one BSc course. LU will be sending its dean of academics Prof Geetanjali Mishra along with another academic expert to support the preparation of the curriculum as per NEP, he added.

"Also, boarded-out cadets of the academy would be laterally absorbed by LU by way of transfer of credits earned at the NDA. They would then be eligible to complete their degree programme without losing any academic semester or year," said Rai.

He explained that for example if a cadet completes one or two years of a course but cannot complete it due to personal reasons or is boarded out due to medical reasons the cadet can complete the remaining years of education from LU.

'All successful CEOs of top organisations avid readers'

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The best leadership lessons can be taken from literary texts. Literature can offer timeless lessons about leadership, such as the importance of integrity, empathy, and resilience. This was shared with Lucknow University's management students by renowned academician and former head of Lucknow University's English and modern European languages, Prof Nishi Pandey, during a special lecture held at the Institute of Management Sciences on Wednesday.

"Leadership insights can be effectively gained through studying literary works. Leadership qualities, be it having good communication skills, being goal-oriented, positive thinking, or others, almost 80% of these qualities are connected with human qualities. To learn and understand them, one needs to read literary texts or take the route of literature," said Prof Nishi Pandey.

Prof Nishi Pandey shared leadership insights at the event

She said all successful CEOs or leaders of top organisations are avid readers, and literature is part of their everyday reading habit. For example, all management students will be entrepreneurs, financial managers, human resource managers, or others, for which they need to collaborate. To collaborate, one needs to have values like empathy, respect and others, and it all comes through reading, drawing inspiration, or learning from literary texts, she added.

HT PAGE 4

Short films screened at Lko University

LUCKNOW: Short films were screened during a programme organised as part of Mission Shakti Phase 5 at Lucknow University on Wednesday. The films were followed by a discussion on various issues related to

women and society. Manini Srivastava, the nodal officer of Mission Shakti Phase 5, said that the short films highlighted challenges faced by women, along with inspiring stories of resilience and empowerment. The post-screening discussion encouraged participants to reflect on these issues, share insights, and propose actionable solutions to create a more inclusive and equitable society.

LOKSATYA PAGE 2

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन राशि 2025 का पोस्टर और वेबसाइट का कुलपति ने लोकार्पण

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज़ विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन राशि 2025 (इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रीसेंट एडवांसस इन एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमनिटीज इन एवोलुशन ऑफ़ इंजीनियरिंग) के पोस्टर और वेबसाइट का लोकार्पण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने किया। यह बहुप्रतीक्षित सम्मेलन 7-8 फरवरी 2025 को आयोजित होगा। सम्मेलन का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में हो रहे हालिया विकास और नवाचारों पर चर्चा करना है। शैक्षिक और उद्योग विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया जाएगा, ताकि समकालीन चुनौतियों के समाधान के साथ-साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए रास्ते खोले जा सकें।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा, यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों के लिए ज्